भाकअनुसं
कदन्न (पोषक अनाज) समाचार पत्र
हैदराबाद * सोलापुर * वरंगल
क्रम सं. 233 मार्च, 2023
भाकृअनुप—भारतीय कदन्न अनुसंधान संस्थान, राजेन्द्रनगर, हैदराबाद - 500 030, तेलंगाना, भारत

वैश्विक श्री अन्न सम्मेलन, नई दिल्ली

भारत के माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 18 मार्च, 2023 को पूर्वाह्न 11 बजे सुब्रमण्यम हॉल, एनएएससी कॉम्प्लेक्स, भाकृअनुसं परिसर, पूसा नई दिल्ली में वैश्विक श्री अन्न सम्मेलन का उद्घाटन किया।

भारत के प्रस्ताव पर, संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) के द्वारा वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय श्री अन्न वर्ष घोषित किया गया था। खाद्यागार के प्रमुख घटक के रूप में श्री अन्न को बढ़ावा देने के लिए, 'अंतर्राष्ट्रीय श्री अन्न वर्ष', वैश्विक उत्पादन बढ़ाने, कुशल प्रसंस्करण एवं खपत सुनिश्चित करने, फसल चक्र के बेहतर उपयोग को बढ़ावा देने तथा संपूर्ण खाद्य प्रणालियों में बेहतर संबंधों को प्रोत्साहित करने के लिए एक अनन्य अवसर प्रदान करने के लिए तैयार है। इस संदर्भ में भारत में वैश्विक श्री अन्न सम्मेलन का आयोजन एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है।

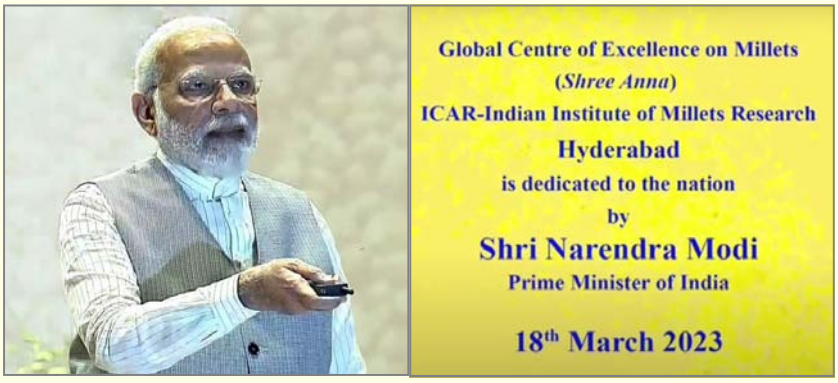

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि भारत का लक्ष्य किसान, उपभोक्ता तथा जलवायु के समग्र लाभ हेतु अंश्रीव 2023 को हमें एक जन आंदोलन बनाना है। वैश्विक श्री अन्न सम्मेलन का उद्देश्य खाद्य सुरक्षा और पोषण के लिए श्री अन्न (पौष्टिक-अनाज/मिलेट्स) के संबंध में जागरूकता बढ़ाना, अनुसंधान एवं विकास व विस्तार में निवेश बढ़ाना तथा भारत को "श्रीअन्न हेतु वैश्विक केंद्र" बनाने के प्रयोजन से श्री अन्न के उत्पादन, उत्पादकता और गुणवत्ता में सुधार के लिए हितधारकों को प्रेरित करना है।

इस समारोह के दौरान, माननीय प्रधान मंत्री ने **भाकृअनुप – भारतीय कदन्न अनुसंधान संस्थान**, हैदराबाद को **"श्री अन्न पर वैश्विक उत्कृष्टता केंद्र"** के रूप में मान्यता प्रदान करने की घोषणा की। उन्होंने वर्ष 2023 को 'अंतर्राष्ट्रीय श्री अन्न वर्ष' के स्मारक के रूप में एक विशेष डाक टिकट तथा 75 रुपये के एक सिक्के का भी विमोचन किया। कार्यक्रम के दौरान सरकार के द्वारा मिलेट्स के 'श्री अन्न' के रूप में नामकरण पर एक वीडियो का भी विमोचन किया गया। इसके अलावा, उद्घाटन समारोह के दौरान इथियोपिया तथा गुयाना के राष्ट्राध्यक्षों के वीडियो संदेश भी प्रदर्शित किए गए।
इस कार्यक्रम में केंद्रीय कृषि मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर एवं छह देशों के उनके समकक्ष उपस्थित थे। श्री तोमर ने श्री अन्न के महत्व के बारे में संक्षिप्त जानकारी प्रदान करते हुए कहा कि वर्ष 2023, श्री अन्न को अपनाने एवं बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर वर्षभर चलने वाले अभियान तथा कई अन्य गतिविधियों का साक्षी होगा। कृषि मंत्रियों के एक गोलमेज सत्र और द्विपक्षीय बैठकें आयोजित की गईं।

इस दो दिवसीय वैश्विक सम्मेलन के दौरान श्री अन्न से संबंधित सभी महत्वपूर्ण विषयों जैसे उत्पादकों, उपभोक्ताओं व अन्य हितधारकों के बीच श्री अन्न का प्रचार और जागरूकता; श्री अन्न मूल्य शृंखला का विकास; श्री अन्न के स्वास्थ्य और पोषण संबंधी पहलू; बाजार संबंध तथा अनुसंधान और विकास पर विभिन्न सत्र आयोजित किए गए। भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद और भाकृअनुप-भाकृअनुसं, नई दिल्ली के द्वारा संयुक्त रूप से विभिन्न तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया। उक्त समग्र कार्यक्रम एपीडा द्वारा आयोजित किया गया था।

सम्मेलन में बड़े पैमाने पर विभिन्न देशों के कृषि मंत्रियों, अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिकों, किसानों, पोषणविदों, स्वास्थ्य विशेषज्ञों, नवोद्यमियों, निर्यातकों, खुदरा व्यवसायियों, किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ), किसान स्वयं सहायता समूहों, स्कूलों, कृषि-विश्वविद्यालयों, कृषि विज्ञान केंद्र (कृविकें), ग्राम पंचायत, सामान्य सेवा केंद्र (सीएससी), सहकारी संस्थाएं और अन्य हितधारकों ने भाग लिया।

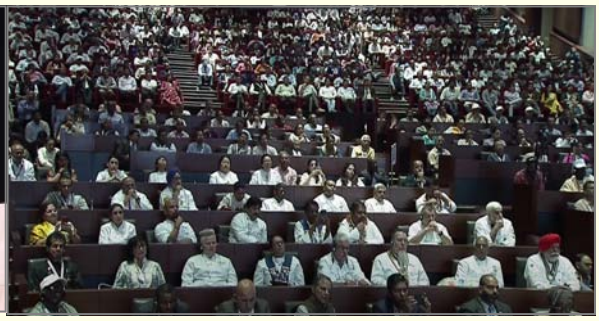

इस दो दिवसीय सम्मेलन में डॉ. हिमांशु पाठक, महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, डॉ. जैकलीन ह्यूजेस, महानिदेशक, इक्रिसेट; जोंग- जिन किम, एशिया और प्रशांत के लिए एडीजी व क्षेत्रीय प्रतिनिधि, एफएओ; उप महानिदेशक, सहायक महानिदेशक, भाकृअनुप, नई दिल्ली, डॉ. तारा सत्यवती, निदेशक, भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान,

हैदराबाद, शेफ थॉमस गुगलर, अध्यक्ष, वर्ल्ड एसोसिएशन ऑफ शेफ आदि गणमान्य लोगों के साथ, श्रोतागण के रूप में पद्म पुरस्कार सम्मानित किसान उपस्थित थे।

भाश्रीअनुसं, हैदराबाद से डॉ. सी वी रत्नावती, डॉ. के बी आर एस विशारदा, डॉ. बी दयाकर राव, डॉ. सी अरुणा, डॉ. बी वेंकटेश भट, डॉ. आर आर चापके, डॉ. बी गंगय्या, डॉ. ए वी उमाकांत, डॉ. नेपोलियन टी, डॉ. हरिप्रसन्ना के, डॉ. डी बालकृष्ण, डॉ. पी राजेंद्र कुमार, डॉ. के एन गणपति और डॉ. बी अमसिद्ध ने भी उक्त कार्यक्रम में भाग लिया तथा विभिन्न समितियों में अपनी सेवाएं प्रदान की। डॉ वी रवि कुमार, तकनीकी अधिकारी और उनकी भाकअनुसं-पोषण केंद्र दल ने श्री अन्न प्रदर्शनी स्टाल का आयोजन किया।

क्रेता-विक्रेता बैठक एवं प्रदर्शनी स्टॉल

नई दिल्ली में 18-19 मार्च, 2023 को आयोजित वैश्विक श्री अन्न सम्मेलन के दौरान श्री अन्न पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक प्रदर्शनी-सह-क्रेता-विक्रेता बैठक (बीएसएम) भी आयोजित की गई थी, जिसमें श्री अन्न के प्रचारार्थ खरीदार, आयातक, निर्यातक और प्रसंस्कर्ता शामिल 50 से अधिक स्वदेशी एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभागियों ने भाग लिया। 100 से अधिक स्टालों की प्रदर्शनी में श्री अन्न आधारित स्टार्टअप्स, निर्यातकों द्वारा श्री अन्न और श्री अन्न-आधारित पकाने को तैयार तथा खाने को तैयार उत्पादों को प्रदर्शित किया गया और विभिन्न अंतरराष्ट्रीय तथा राष्ट्रीय रसोइयों द्वारा पाककला के सत्र आयोजित किए गए। भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान ने भी एक स्टॉल लगाया तथा विभिन्न फसलों के सभी जीवंत नमूनों का प्रदर्शन किया, भाकअनुसं, हैदराबाद के उत्कृष्टता केंद्र-पोषण केंद्र में "इटराइट" ब्रांड के अंतर्गत विकसित मूल्य वर्धित उत्पाद प्रदर्शित किए गए। विभिन्न राज्यों के कृषि मंत्रियों और महानिदेशक, भाकृअनुप सहित 1000 से ज्यादा प्रतिभागियों ने उक्त स्टॉल का दौरा किया।

श्रीअन्न पदयात्रा (मिलेट वॉकथॉन)

भाकृअनुप – भारतीय श्रीअन्न (मिलेट) अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद के द्वारा श्री अन्न की खपत को बढ़ावा देने और लोकप्रिय बनाने एवं उनके स्वास्थ्य लाभ के संबंध में लोगो को जागरूक करने के उद्देश्य 03 मार्च, 2023 को श्रीअन्न पदयात्रा का आयोजन किया गया। श्रीअन्न पदयात्रा के शुभारंभ स्थल अर्थात प्रोफेसर जयशंकर तेलंगाना राज्य कृषि विश्वविद्यालय के प्रेक्षागृह (ऑडिटोरियम) में मंच पर डॉ. (श्रीमती) सी तारा सत्यवती, निदेशक, भाश्रीअनुसं, डॉ. बी दयाकर राव, प्रधान वैज्ञानिक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, न्यूट्रीहब, डॉ. सत्यनारायण, डीन, प्रोजतेराकृविवि तथा श्री जी वी सुब्बारेड्डी, कोरोमंडल फर्टलाइजर्स उपस्थित थे। कार्यक्रम के प्रारंभ में डॉ. सत्यनारायण ने मंच पर एवं सभा में उपस्थित लोगों का स्वागत किया। तत्पश्चात डॉ. दयाकर राव ने अपने संबोधन में श्रीअन्न को अपने भोजन में शामिल करने का आग्रह किया। डॉ. तारा सत्यवती ने अपने संबोधन में श्रीअन्न के महत्व पर प्रकाश डालते हुए श्रीअन्न में शामिल ज्वार, बाजरा, रागी आदि अनाजों की विविध पोषण विशेषताओं का विश्लेषण करते हुए, उन्हें अपनाने के लिए कहा। श्री सुब्बा रेड्डी ने भी वर्तमान समय में श्रीअन्न की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। इसके पश्चात डॉ. तारा सत्यवती के द्वारा झंडा दिखाकर श्रीअन्न पदयात्रा का शुभारंभ किया गया।

श्री अन्न पदयात्रा प्रो.ज.ते.रा.कृ.विवि. से शुरु हुई तथा श्रीअन्न के गुणों के प्रति लोगों को जागरूक करने हेतु पदयात्रा के दौरान उच्चाधिकारियों एवं अन्य सहभागियों के द्वारा श्रीअन्न के गुणों को प्रदर्शित करते हुए बैनरों, पोस्टरों आदि का प्रदर्शन किया गया। कुल 3 किलोमीटर की पदयात्रा के बाद भाकृअनुप – भारतीय श्रीअन्न (मिलेट) अनुसंधान संस्थान में इसका समापन हुआ। समापन सभा में मंच पर डॉ. तारा सत्यवती, डॉ. दयाकर राव के अलावा समीपस्थ संस्थानों की वरिष्ठ प्रतिनिधि उपस्थित थे एवं सभी अधिकारीगण नेन्होंनेत्यवती, डॉ. दयाकर राव के अलावा समीपस्थ संस्थानों की वरिष्ठ प्रतिनिधि उपस्थित थे एवं उन्होंने श्र श्रीअन्न के महत्व पर प्रकाश डाला एवं जीवनशैली संबंधी रोगों से बचने हेतु श्रीअन्न को अपने दैनिक आहार में सम्मिलित करने की सलाह दी। डॉ. सत्यवती एवं डॉ. दयाकर राव ने इस समारोह को सफल बनाने हेतु अपने समीपस्थ सभी संस्थानों, विशेषकर प्रोफेसर जयशंकर तेलंगाना राज्य कृषि विश्वविद्लाय के प्रति आभार प्रकट किया। श्रीअन्न पदयात्रा में भाश्रीअनुसं एवं प्रोजतेराकृविवि के अलावा अन्य समीपस्थ संस्थान के पदाधिकारीगण शामिल 1000 से ज्यादा लोगों ने भाग लिया। पदयात्रा के समापन स्थल पर सभी लोगों को सर्वश्री 'नया मिलेट' के द्वारा श्रीअन्न के विविध व्यंजन प्रदान किए गए।

इस संपूर्ण कार्यक्रम का समन्वय डॉ. सी (श्रीमती) तारा सत्यवती, निदेशक के मार्गदर्शन में, डॉ. बी दयाकर राव, प्रधान वैज्ञानिक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, पोषण केंद्र, डॉ. वी रवि कुमार, तकनीकी अधिकारी तथा डॉ महेश कुमार, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी (राजभाषा), भाश्रीअनुसं, हैदराबाद के द्वारा किया गया।

राजस्थान श्री अन्न सम्मेलन -2023

राजस्थान राज्य कृषि विपणन बोर्ड, राजस्थान एवं पोषण केंद्र, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद के संयुक्त तत्वावधान में 13-14 मार्च, 2023 को जयपुर शहर के दुर्गापुरा स्थित राज्य कृषि प्रबंधन संस्थान में राजस्थान श्री अन्न सम्मेलन 2023 का आयोजन किया गया। माननीय मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने 13 मार्च 2023 को "राजस्थान श्री अन्न सम्मेलन 2023" का उद्घाटन किया। इस अवसर पर श्री लालचंद कटारिया, माननीय कृषि मंत्री तथा श्री मुरारी लाल मीणा, माननीय कृषि विपणन राज्य मंत्री भी उपस्थित थे। माननीय मुख्यमंत्री ने कहा कि कृषि अनुसंधान के माध्यम से किसानों को भविष्य के लिए अपनी फसल तैयार करने में मदद मिलेगी। इस सम्मेलन का उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय श्री अन्न वर्ष 2023 को ध्यान में रखते हुए श्री अन्न के उत्पादन, प्रसंस्करण और मूल्यवर्धन के बारे में जागरूकता पैदा करना था। इस सम्मेलन के दौरान श्री अन्न के बेहतर उत्पादन, प्रबंधन व विपणन के लिए महत्वपूर्ण सुझावों के आदान-प्रदान हेतु विभिन्न हितधारकों को एक अच्छा मंच प्रदान किया गया। उद्घाटन सत्र के दौरान श्रीमती उषा शर्मा, मुख्य सचिव, राजस्थान सरकार, सुश्री शुभा ठाकुर, संयुक्त सचिव, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, श्री दिनेश कुमार, प्रधान सचिव (कृषि), श्री सीताराम जाट, निदेशक (कृषि विपणन), डॉ बी दयाकर राव, मुख्य कार्यपालक अधिकारी, पोषण केंद्र, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं तथा कई अन्य गणमान्य लोग - कुलपति, कई संगठनों के निदेशक के अलावा सैकड़ों किसान, किसान उत्पादक संगठन व नवोद्यमी उपस्थित थे।

दो दिवसीय सम्मेलन का समापन सत्र 14 मार्च, 2023 को संपन्न हुआ, जिसमें श्री मुरारी लाल मीणा, माननीय कृषि विपणन राज्य मंत्री मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इसके अलावा डॉ. सी. तारा सत्यवती, निदेशक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं और डॉ. राज भंडारी, राष्ट्रीय श्री अन्न कार्यदल के सदस्य, डॉ. बी. दयाकर राव, एवं श्री दिनेश कुमार, प्रमुख सचिव (कृषि) सहित राजस्थान सरकार के अन्य वरिष्ठ अधिकारी सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित थे। सम्मेलन में भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं के वैज्ञानिक डॉ. संजना रेड्डी, डॉ. श्रीनिवास ए, और डॉ. महेश कुमार, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी (राजभाषा), न्यूट्रीहब, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं से डॉ. अमरनाथ रेड्डी पूला, श्री इज़राइल राज अल्लादी, और की सुश्री गौतमी ने भाग लिया। डॉ वीरेश एस वली, अनुसंधान प्रबंधक, और श्री कृष्णा, प्रोग्राम न्यूट्रीहब इस दो दिवसीय सम्मेलन के समन्वयक थे।

प्रदर्शनी स्टाल : भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं और पोषण केंद्र, हैदराबाद के द्वारा विकसित उत्पाद एवं प्रौद्योगिकियों के प्रदर्शन के लिए उक्त समारोह के दौरान संस्थान का स्टाल स्थापित किया गया। स्टाल में विभिन्न श्री अन्न के उत्पाद प्रदर्शित किए गए। विभिन्न गणमान्य व्यक्तियों एवं हजारों किसानों ने स्टॉल का दौरा किया। राजस्थान के विभिन्न हिस्सों से आए किसानों को श्री अन्न उत्पादन तकनीक और उनके बीज उत्पादन एवं मूल्यवर्धन के बारे में पर्याप्त जानकारी प्रदान की गई। डॉ. ए श्रीनिवास, वैज्ञानिक और डॉ. महेश कुमार, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी (राजभाषा) ने पोषण केंद्र के कार्यदल के सहयोग से उक्त स्टॉल का आयोजन किया।

पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश में श्री अन्न पर राष्ट्रीय कार्यशाला 2023

भारत के उत्तर पूर्वी राज्यों में श्री अन्न के कृषि क्षेत्र एवं उनकी खपत को बढ़ावा देने के लिए कृषि महाविद्यालय, बागवानी तथा वानिकी केंद्रीय कृषि विश्वविद्यावय (इम्फाल) पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश तथा भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद के संयुक्त तत्वावधान में, "श्री अन्न : स्थाई कर्षण क्रियाएं, मूल्यवर्धन, नीतियां एवं साझेदारी" पर 15-16 मार्च 2023 के दौरान राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला के दौरान अंतर्राष्ट्रीय श्री अन्न वर्ष के अवसर पर पूर्वोत्तर राज्यों में श्री अन्न के महत्व के संबंध में जागरूकता पैदा करने और लोकप्रिय बनाने के लिए एक श्री अन्न पदयात्रा आयोजित की गई। कार्यशाला के दौरान श्री अन्न व्यंजन निर्माण प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। डॉ. संगप्पा, वैज्ञानिक और नोडल अधिकारी, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं की उत्तर पूर्वी परियोजना ने श्री अन्न के स्वास्थ्य लाभ और किसान उत्पादक संगठन हेतु व्यावसायिक अवसरों पर आधार व्याख्यान दिया। कार्यशाला का आयोजन डॉ. प्रेम आराध्या, सहायक प्रोफेसर, केंविवि, इंफाल और डॉ. संगप्पा, वैज्ञानिक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद ने संयुक्त रूप से किया।

"श्री अन्न उत्पादन तथा प्रसंस्करण प्रौद्योगिकियों" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान ने 17 मार्च, 2023 को असम राज्य के कृषि अधिकारियों के लिए " श्री अन्न उत्पादन एवं संरक्षण हेतु नवीनतम प्रौद्योगिकियां" नामक एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में कुल 36 अधिकारियों ने भाग लिया। श्री अन्न अनुसंधान का सिंहावलोकन, श्री अन्न मूल्यवर्धन और श्री अन्न की खेती हेतु सस्य वैज्ञानिक क्रियाओं, चेना व कोदो में नवीनतम फसल सुधार जैसे विषयों पर व्याख्यान दिए गए। पाठ्यक्रम निदेशक डॉ. आर आर चापके ने कहा कि श्री अन्न की उत्तम पोषण गुणता जैसे - जटिल कार्बोहाइड्रेट, ग्लूटेन मुक्त, उच्च पथ्य रेशे तथा खनिजों से भरपूर को देखते हुए उन्हें पौष्टिक अनाज कहा जाता है। जीवन शैली संबंधी बीमारियों के बढ़ते प्रकोप एवं संसाधनहीन किसानों की आजीविका पर प्रतिकूल जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से निपटने के लिए श्री अन्न को बढ़ावा देना समय की आवश्यकता है।

प्रशिक्षार्थियों ने श्री अन्न के उत्कृष्टता केंद्र, पोषण केंद्र एवं अन्य प्रसंस्करण इकाइयों का भी दौरा किया और भाश्रीअनुसं में उपलब्ध नवीनतम प्रौद्योगिकियों तथा सुविधाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम डॉ. आर आर चापके, पाठ्यक्रम निदेशक और डॉ. अविनाश सिंगोडे पाठ्यक्रम समन्वयक अन्य

विषय विशेषज्ञ – डॉ. दीपिका चेरुकु, डॉ. स्वर्णा रोणंकी और डॉ. ए श्रीनिवास शामिल समिति के द्वारा आयोजित किया गया।

तुरा, मेघालय में श्री अन्न मेला

अंतर्राष्ट्रीय श्री अन्न वर्ष 2023 के शुभ अवसर पर कम्युनिटी विज्ञान महाविद्यालय, तुरा, मेघालय ने भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद और नाबार्ड के सहयोग से 21 मार्च 2022 को तुरा, मेघालय में मिलेट मेला-2023 का आयोजन किया। इसका उद्देश्य छात्रों, किसानों और उपभोक्ताओं को श्री अन्न से जुड़े लाभों के संबंध में जागरूक करना और श्री अन्न की विविधता, उनके मूल्य वर्धित उत्पादों और टिकाऊ कृषि के लिए उनकी क्षमता का प्रदर्शन था। मुख्य अतिथि श्री स्वप्निल टेम्बे, आईएएस, उपायुक्त, पश्चिम गारो हिल्स, मेघालय ने श्री अन्न मेला-2023 का उद्घाटन किया, इस अवसर पर श्री प्रभु दत्त साहू, महाप्रबंधक, नाबार्ड, मेघालय, श्री मयंक द्विवेदी कमांडेंट, सीमा सुरक्षा बल, डॉ. ज्योति वस्त्राद, डीन, कॉलेज ऑफ कम्युनिटी साइंस, तुरा उपस्थिति थे। इस मेले में शिक्षकों, किसानों, उद्यमियों और छात्रों ने भी भाग लिया। इस अवसर पर अलग-अलग स्टालों पर विभिन्न प्रकार के श्री अन्न के जननद्रव्य, श्री अन्न आधारित पारंपरिक खाद्य पदार्थ, स्वादिष्ट उत्पाद और पेय पदार्थ प्रदर्शित किए गए। कार्यक्रम में अलग-अलग गांवों के 120 से अधिक किसानों, पश्चिमी गारो हिल्स जिलों के विभिन्न स्कूलों के छात्रों ने भाग लिया। डॉ. एच केंचरेड्डी, सहायक प्रोफेसर, सीएयू, इंफाल और डॉ. संगप्पा, वैज्ञानिक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद के द्वारा संयुक्त रूप से श्री अन्न मेले का आयोजन किया गया।

'उन्नत श्री अन्न उत्पादन और प्रसंस्करण प्रौद्योगिकियों' पर प्रशिक्षण

भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान में 28 फरवरी से 1 मार्च, 2023 के दौरान 'उन्नत श्री अन्न उत्पादन और प्रसंस्करण प्रौद्योगिकियां' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में अट्टापदी, केरल से कृषि अधिकारियों, कृषि सहायकों, प्रक्षेत्र सहायकों और आदिवासी किसानों सहित कुल 46 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों को फसल उत्पादन, सुधार, संरक्षण, प्रसंस्करण और मूल्यवर्धन सहित श्री अन्न की खेती के विभिन्न पहलुओं पर जानकारी दी गई। डॉ. आर आर चापके, डॉ. के हरिप्रसन्ना, डॉ. बी गंगय्या, डॉ. आई के दास, डॉ. अविनाश सिंगोडे, डॉ. ए श्रीनिवास, डॉ. श्याम प्रसाद, डॉ. ए वी उमाकांत और डॉ. के एन गणपति ने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में व्याख्यान दिए। डॉ. चापके एवं उनके दल के द्वारा श्री अन्न प्रदर्शन प्रक्षेत्र का दौरा कराया गया। इसके अलावा, डॉ. पी हेमशंकरी, वैज्ञानिक ने उत्कृष्टता केंद्र एवं पोषण केंद्र दौरे को सुगम बनाया। डॉ. राजेंद्र चापके ने इस कार्यक्रम के पाठ्यक्रम निदेशक के रूप में सेवाएं प्रदान की तथा डॉ. वी एम मालती और डॉ. ए कलईसेकर के द्वारा इस प्रशिक्षण का समन्वय किया गया।

"श्री अन्न उत्पादन प्रौद्योगिकी एवं मूल्यवर्धन" पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

वसंतराव नायक मराठवाड़ा कृषि विद्यापीठ (वीएनएमकेवी), परभणी के द्वारा भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद के समन्वय से नांदेड़ ज़िले के वाल्केचीवाड़ी गांव में आदिवासी उप परियोजना के अंतर्गत जनजातीय लोगों के लिए 23 मार्च, 2023 को "श्री अन्न उत्पादन प्रौद्योगिकी एवं मूल्य संवर्धन" पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समारोह के दौरान डॉ इंद्र मणि, माननीय कुलपति, वीएनएमकेवी, परभणी अध्यक्ष के रूप में तथा डॉ. डी बी देवसरकर, विस्तार शिक्षा निदेशक, एवं डॉ. जी के लोंधे, अनुसंधान उप निदेशक, वीएनएमकेवी, परभणी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। श्री डी एन गायकवाड़, तहसीलदार, हिमायतनगर तथा श्री डी वी जाधव, तालुका कृषि अधिकारी, हिमायतनगर ने भी कार्यक्रम में भाग लिया। समारोह के शुभारंभ में, डॉ. इंद्र मणि, कुलपति ने मशीनरी प्रदर्शनी का उद्घाटन किया तथा जनजातीय उप-परियोजना के अंतर्गत ग्रामीणों को उपकरण वितरित किए। अपने संबोधन में, उन्होंने किसानों को नवीनतम उपकरणों का लाभ उठाने और कृषि उद्यमी बनने तथा बेहतर बाजार मूल्य के लिए कृषि उपज का विपणन करने की सलाह दी। उन्होंने राज्य के कृषि विभाग, राज्य के राजस्व विभाग और स्थानीय निकायों से किसानों के उत्थान की गतिविधियों में शामिल होने का आग्रह किया। उन्होंने आने वाले खरीफ मौसम में, खरीफ जैव-पौष्टिकीकृत ज्वार किस्म परभणी शक्ति उगाने की सलाह दी और आहार में श्री अन्न के महत्व एवं अंतर्राष्ट्रीय श्री अन्न वर्ष - 2023 के बारे में सविस्तार बताया।

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. डी. बी देवसरकर ने लोगों को खेती की लागत कम करने और अधिक उपज प्राप्त करने के लिए फसल उत्पादन में उन्नत प्रौद्योगिकियां अपनाने की सलाह दी। डॉ. आर बी क्षीरसागर, एसोसिएट डीन और प्रधानाचार्य, खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, वीएनएमकेवी, परभणी ने ज्वार और बाजरा से तैयार श्री अन्न के विभिन्न मूल्य वर्धित उत्पादों के स्वास्थ्य लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की। डॉ. एल एन जवाले, मो. इलियास, केडी नवगिरे और श्रीमती पी ओ भुथडा ने भी ज्वार उत्पादन प्रौद्योगिकी के विभिन्न पहलुओं पर व्याख्यान दिए। इस अवसर पर, "सोरघम की बेहतर खेती पद्धतियों" नामक एक फ़ोल्डर का विमोचन किया गया।

ओडिशा के किसानों हेतु ज्ञानवर्धन सह प्रशिक्षण कार्यक्रम

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद ने ओडिशा के किसानों हेतु 27-29 मार्च, 2023 के दौरान तीन दिवसीय "व्यावहारिक प्रशिक्षण सह ज्ञानवर्धन दौरे" का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में 26 किसानों के एक समूह ने भाग लिया। इस तीन दिवसीय कार्यक्रम में उत्पादन प्रौद्योगिकियों, प्रमुख रोग, पीडक और उनके प्रबंधन, किसान उत्पादक संगठन तथा श्री अन्न को बढ़ावा प्रदान करने में उनकी भूमिका, श्री अन्न के पोषण और स्वास्थ्य लाभ, श्री अन्न व्यापार के अवसरों में नवीनतम विकास के बारे में बताया गया।

प्रशिक्षार्थियों ने प्रोजतेराकृविवि, हैदराबाद के श्री अन्न प्रसंस्करण और ऊष्मायन केंद्र, पोषण केंद्र, भाश्रीअनुसं में श्री अन्न प्रसंस्करण और मूल्य वर्धित प्रौद्योगिकी सुविधाओं का भी अवलोकन किया। यह कार्यक्रम भाश्रीअनुसं, हैदराबाद की किउसं इकाई के द्वारा डॉ. संगप्पा और श्री के श्रीनिवास बाबू के समन्वय से आयोजित किया गया।

राज्य स्तरीय श्री अन्न कॉन्क्लेव, 2023

नाबार्ड ने राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रबंध अकादमी, हैदराबाद में 10 मार्च, 2023 को "राज्य स्तरीय श्री अन्न सम्मेलन" का आयोजन किया। सम्मानित गणमान्य विद्वानों - डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं डॉ. वेंकट रमणा, अनुसंधान निदेशक, प्रोजतेराकृविवि, डॉ. वी प्रवीण राव, पूर्व कुलपति, प्रोजतेराकृविवि और डॉ. सीएच श्रीनिवास राव, निदेशक, राकृअनुप्रअ ने कार्यक्रम को संबोधित किया। श्री के श्रीनिवास बाबू, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं ने श्री अन्न मूल्य शृंखला में किसान उत्पादक संगठन की भूमिका पर व्याख्यान दिया। आयोजन के एक भाग के रूप में, श्री अन्न प्रदर्शनी का आयोजन किया गया और भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं प्रायोजित हुलसूर महिला किसान मिलेट्स एफपीसीएल, कर्नाटक और लांबासिंगी ट्राइबल प्रोडक्ट्स फार्मर्स प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड, विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश के किउसं दलों ने अपने-अपने श्री अन्न के मूल्य वर्धित उत्पादों का प्रदर्शन किया। दो सौ से ज्यादा प्रतिभागियों ने प्रदर्शनी स्टाल का दौरा किया और किउसं के द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक

भारतीय कदन्न (श्री अन्न) अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद में 27 मार्च, 2023 को संस्थान के राजभाषा कार्यान्वयन समिति (राकास) की 64वीं बैठक आयोजित की गई। बैठक के प्रारंभ में डॉ. जिनु जेकब ने संस्थान के नव-नियुक्त निदेशक एवं संस्थान के राकास की अध्यक्ष, डॉ (श्रीमती) सी तारा सत्यवती का सभी कदन्नों (श्री अन्न) से तैयार पुष्पगुच्छ से स्वागत किया। राकास के अध्यक्ष डॉ (श्रीमती) सी तारा सत्यवती के द्वारा औपचारिक रूप से स्वागत संबोधन के बाद बैठक का शुभारंभ हुआ। बैठक में डॉ. जिनु जेकब, प्रभारी अधिकारी, हिंदी कक्ष (उपाध्यक्ष), डॉ. मधुसूदन, प्रभारी अधिकारी - पीएमई कक्ष, डॉ. बी वेंकटेश भट, प्रभारी अधिकारी - तकनीकी एवं मीडिया कक्ष तथा कंप्यूटर एवं वेबसाइट (आई.टी.), डॉ. सूगण्ण, प्रभारी अधिकारी - पुस्तकालय, श्रीमती ऋतु दलाल, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, श्री ए नरसिंह मूर्ती, वरिष्ठ वित्त एवं लेखा अधिकारी (सदस्य) तथा डॉ. महेश कुमार, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी - राजभाषा (सदस्य-सचिव) चर्चा के दौरान उपस्थित थे। बैठक के दौरान सदस्य सचिव द्वारा प्रस्तुत विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श किया गया तथा निर्णय लिए गए कि “अंतर्राष्ट्रीय श्री अन्न (मिलेट) वर्ष 2023” को ध्यान में रखते हुए सभी कदन्नों (श्री अन्न) से संबंधित आधारभूत सामग्री यथाशीघ्र हिंदी में उपलब्ध कराई जाए। संस्थान हेतु तैयार किए जाने वाले बोर्ड, बैनर, पोस्टर आदि में त्रिभाषीकता/द्विभाषीकता सुनिश्चित किए जाने हेतु आदेश जारी किया जाए। इसके अलावा हिंदी कक्ष को अपेक्षित सुविधाएं प्रदान किए जाने का भी आश्वासन दिया गया। डॉ. महेश कुमार के द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के पश्चात बैठक का समापन हुआ।

आगंतुक

डॉ. पीएल गौतम, अध्यक्ष, पौधा किस्म और किसान अधिकार संरक्षण प्राधिकरण, कृषि मंत्रालय और पूर्व उप महानिदेशक (फसल विज्ञान), भाकृअनुप ने 13 मार्च, 2023 को भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान का दौरा किया। डॉ. तारा सत्यवती, निदेशक, भाश्रीअनुसं ने उन्हें संस्थान की अनुसंधान उपलब्धियों, नवाचारों और उद्यमिता विकास योजनाओं सहित संस्थान की वर्तमान गतिविधियों के बारे में बताया। उन्होंने "उत्कृष्टता केंद्र" मूल्य वर्धन और खाद्य प्रौद्योगिकी स्थल, पोषण केंद्र सुविधाओं का भी दौरा किया। डॉ. गौतम वैज्ञानिक, व्यावसायीकरण एवं लोकप्रियता दोनों क्षेत्रों में भाश्रीअनुसं की विकासात्मक गतिविधियों से अत्यंत प्रभावित हुए।

श्री पल्लव बागला, वरिष्ठ विज्ञान पत्रकार ने 16 मार्च 2023 को भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद का दौरा किया। डॉ. सी वी रत्नावती, प्रभारी निदेशक, भाश्रीअनुसं ने उन्हें संस्थान की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने श्री अन्न प्रसंस्करण व मूल्यवर्धन सुविधाओं और नवोद्यमी व्यावसाय उष्मायक पोषण केंद्र का अवलोकन किया। इसके अलावा उन्होंने जीन-संग्रह का दौरा किया, वहां पर डॉ. एम एलंगोवन ने विविध श्री अन्न जननद्रव्य के संबंध में जानकारी प्रदान की। डॉ. बी वेंकटेश भट और डॉ. के वेंकटेश, भाश्रीअनुसं ने इस दौरे का समन्वय किया।

तमिलनाडु से छात्र

कुमारगुरु इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चर, इरोड, तमिलनाडु कुल 118 विज्ञान स्नातक III (ऑनर्स) कृषि के छात्रों और छह कार्मिक सदस्यों ने अपने अखिल भारतीय अध्ययन दौरे के अंतर्गत 03 मार्च, 2023 को भाश्रीअनुसं का दौरा

किया। छात्रों को संस्थान के संगठनात्मक ढांचे, कार्यों एवं अधिदेश से अवगत कराया गया। डॉ. दीपिका ने उन्हें श्री अन्न का परिचय एवं उनके स्वास्थ्य लाभों पर जानकारी प्रदान की। डॉ. स्वर्णा रोणंकी ने श्री अन्न की उत्पादन पद्धतियों के बारे में बताया। डॉ. एम एलांगोवन और डॉ. के वेंकटेश ने जीन संग्रह की विभिन्न गतिविधियों, श्री अन्न जननद्रव्य के महत्व और उपयोगिता के बारे में विस्तार से बताया। इसके अलावा, सभी श्री अन्न फसलों की पहचान हेतु प्रक्षेत्र दौरे का आयोजन किया गया। डॉ. आर स्वर्णा रोणंकी, डॉ. सी दीपिका, डॉ. एम एलंगोवन और डॉ. के वेंकटेश ने इस दौरे का समन्वय किया।

उत्तर प्रदेश से किसान

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद ने 13-15 मार्च, 2023 के दौरान उत्तर प्रदेश के किसानों के लिए सीएटी ज्ञानवर्धन दौरे का आयोजन किया। प्रज्ञा ग्रामोत्थान सेवा समिति (यूपी) के कुल 16 किसान ने भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को श्री अन्न के महत्व, स्वास्थ्य लाभ, उत्पादन प्रौद्योगिकियों, व्यापार के अवसरों एवं श्री अन्न को बढ़ावा देने, श्री अन्न मूल्यवर्धन और प्रसंस्करण में किसान उत्पादक संगठन की भूमिका पर विभिन्न व्याख्यान दिए गए। प्रशिक्षार्थियों ने श्री अन्न मूल्यवर्धन के महत्व को जानने के लिए प्रोजतेराकृविवि के श्री अन्न प्रसंस्करण और ऊष्मायन केंद्र का भी दौरा किया। कार्यक्रम की व्यवस्था भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं की किउसं इकाई के द्वारा की गई।

कर्नाटक से डीएईएसआई प्रशिक्षु

रायचूर, कर्नाटक से 40 डीएईएसआई (डिप्लोमा इन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन सर्विसेज फॉर इनपुट डीलर्स) कार्यक्रम के प्रशिक्षार्थियों के एक समूह ने 9 मार्च, 2023 को भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद का दौरा किया। डॉ. संगप्पा ने दौरे के दौरान उन्हें "श्री अन्न के स्वास्थ्य लाभ, मूल्य संवर्धन, और व्यापार के अवसर" के बारे में जानकारी प्रदान की। प्रशिक्षार्थियों ने भाश्रीअनुसं में श्री अन्न प्रदर्शन प्रक्षेत्रों और श्री अन्न प्रसंस्करण एवं मूल्य वर्धित प्रौद्योगिकी सुविधाओं का भी दौरा किया।

सेवानिवृत्त

श्री एम नरसिंह, कुशल सहायक कर्मचारी 31 मार्च, 2023 को सेवानिवृत्त हुए। उन्होंने लगभग 30 वर्षों तक विभिन्न पदों पर इस संस्थान को अपनी सेवाएं प्रदान की। कर्मचारी मनोरंजन क्लब ने उन्हें विदाई दी। डॉ. तारा सत्यवती, निदेशक, भाश्रीअनुसं ने उन्हें शॉल से सम्मानित किया तथा स्मृति चिन्ह भेंट किया। भाश्रीअनुसं के सदस्यों ने उनकी सेवाओं का स्मरण करने हुए उनके स्वस्थ व खुशहाल जीवन की कामना की।

आमंत्रित व्याख्यान

डॉ. पी. राजेंद्रकुमार ने अंतर्राष्ट्रीय श्री अन्न वर्ष 2023 के अवसर पर 29 मार्च 2023 को मोतीलाल नेहरू गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक, पुडुचेरी में "श्री अन्न - जलवायु परिवर्तन और पोषण संबंधी चुनौतियों का समाधान" पर एक ऑनलाइन आमंत्रित व्याख्यान दिया। उन्होंने श्रोताओं को श्री अन्न और इसकी खेती, पोषण व स्वास्थ्य लाभ, श्री अन्न के जलवायु लचीलेपन, प्रसंस्करण एवं मूल्य-संवर्धन, स्टार्ट-अप और व्यावसायिक ऊष्मायन पर मूलभूत जानकारी प्रदान की।

डॉ. वी एम मालती ने एम एस क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा जयपुर में 'श्री अन्न के पोषण और स्वास्थ्य लाभ' पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यशाला में 25 मार्च, 2023 को "श्री अन्न के पोषण मूल्य और साक्ष्य-आधारित स्वास्थ्य लाभ' पर व्याख्यान दिया। इस प्रशिक्षण कार्यशाला में राजस्थान सरकार के अधीन कार्यरत आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारियों सहित लगभग 100 प्रतिभागियों ने भाग लिया। डॉ. मालती ने जैव रसायन विभाग, सीएमएस कॉलेज ऑफ विज्ञान और वाणिज्य, कोयंबतूर के द्वारा 28 मार्च, 2023 को 'जैविक रसायन विज्ञान में हालिया रुझान' पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन के हिस्से के रूप में 'पोषण के स्थायी स्रोत के रूप में श्री अन्न और इसके अनुसंधान एवं विकास की संभावनाएं' पर भी एक व्याख्यान दिया।

डॉ. हरिप्रसन्ना के ने 1-2 मार्च, 2023 के दौरान जेएनकेवीवी, जबलपुर में श्री अन्न के उत्पादन, प्रसंस्करण और विपणन : समस्याएं और समाधान पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में "भारत में लघु श्री अन्न : वर्तमान स्थिति और फसल सुधार प्रयास" पर एक प्रमुख व्याख्यान दिया।.

डॉ. जिनु जैकब ने निम्नलिखित व्याख्यान दिए :

कृविकें, पलक्कड़, केरल द्वारा नाबार्ड के सहयोग से 'श्री अन्न : खेती और उद्यमशीलता की संभावनाएं' पर 18 मार्च, 2023 को आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में श्री अन्न का परिचय : पोषण संबंधी गुण और उद्यमशीलता की संभावनाएं' पर। व्याख्यान में विभिन्न प्रकार के श्री अन्न का परिचय, पोषण और कृषि संबंधी गुणों का ज्ञान, केरल में श्री अन्न के उद्यमशीलता की संभावनाएं शामिल थे। कार्यक्रम में लगभग 120 किसानों और कुछ छात्रों ने भाग लिया।

जीवन विज्ञान विभाग, पृथ्वी, जैविक और पर्यावरण विज्ञान स्कूल, केंद्रीय विश्वविद्यालय, गया में 29 मार्च, 2023 को 'श्री अन्न : खाद्य और पोषण सुरक्षा हेतु स्थाई फसलें' पर। संकाय सदस्य और छात्र सहित लगभग 80 प्रतिभागियों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

लोयोला इंस्टीट्यूट ऑफ फ्रंटियर एनर्जी (लाइफ), लोयोला कॉलेज, चेन्नई के द्वारा अंतर्राष्ट्रीय श्री अन्न वर्ष 2023 के अवसर पर 31 मार्च, 2023 को 'श्री अन्न की जैव

विविधता और रोग मुक्त समाज के निर्माण में उनके पोषण महत्व और भूमिका पर हाइब्रिड मोड में आयोजित दो दिवसीय जन जागरूकता कार्यक्रम में 'श्री अन्न के पोषण की स्थिति और स्वास्थ्य लाभ' पर।

डॉ. स्वर्णा रोणंकी ने निम्नलिखित व्याख्यान दिए :

न्यूट्रिहब, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम 'श्री अन्न मूल्यवर्धन और प्रसंस्करण' के अंतर्गत 2 मार्च, 2023 को केरल की महिला उद्यमियों को "श्री अन्न में बेहतर उत्पादन पद्धति" पर।

ममनूर द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम "श्री अन्न और पीओपी का महत्व" के अंतर्गत 14 मार्च, 2023 को आदिवासी युवाओं को "श्री अन्न प्रसंस्करण मशीनरी और स्टार्टअप के अवसर" पर।

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं में असम सरकार के कृषि अधिकारियों के लिए 17 मार्च 2023 को " श्री अन्न उत्पादन और प्रसंस्करण हेतु नवीनतम प्रौद्योगिकियां" पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत "श्री अन्न की खेती हेतु उन्नत कृषि कार्य" पर।

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं में 22 मार्च 2023 को "श्री अन्न फसलों के मूल्यवर्धन पर व्यावहारिक प्रशिक्षण" पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत गुजरात के किसानों को नवीनतम श्री अन्न उत्पादन प्रौद्योगिकियों पर।

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं में 27 मार्च 2023 को उड़ीसा के किसानों के लिए "भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद का ज्ञानवर्धक दौरा" कार्यक्रम के अंतर्गत "नवीनतम श्री अन्न उत्पादन प्रौद्योगिकियों पर।

कृषि कॉलेज, पारुल विश्वविद्यालय, वडोदरा, गुजरात के द्वारा अंतर्राष्ट्रीय वर्ष के एक भाग के रूप में 31 मार्च 2023 को आयोजित श्री अन्न समारोह के अंतर्गत स्नातक (कृषि) छात्रों के लिए "श्री अन्न की संभावनाएं" पर।

विषय विशेषज्ञ

अंतर्राष्ट्रीय श्री अन्न वर्ष-2023 के उपलक्ष्य में उद्यमिता विकास क्लब, भारत माता कॉलेज ऑफ कॉमर्स एंड आर्ट, अलुवा, केरल के सहयोग से पीजी वाणिज्य विभाग के द्वारा कॉलेज के संकाय और प्रबंधन कर्मचारियों के लिए 20 मार्च, 2023 को 'जलवायु और पोषण संबंधी चुनौतियों का सामना करने हेतु श्री अन्न' पर आभासी रूप में एक राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन से किया गया। भाश्रीअनुसं से डॉ. जिनु जैकब और डॉ. वी एम मालती विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित थे। **डॉ. जिनु जैकब** ने 'श्री अन्न और उनकी उद्यमशीलता की संभावनाओं का परिचय' पर चर्चा की, जिसमें व्यापक रूप से खेती हेतु प्रयुक्त श्री अन्न, भाश्रीअनुसं की अनुसंधान गतिविधियां, श्री अन्न का प्रसंस्करण और मूल्यवर्धन, भाश्रीअनुसं-टीबीआई-न्यूट्रीहब और उससे संबंधित गतिविधियां तथा अश्रीव 2023 संबंधी विवरण शामिल था।

डॉ. वी एम मालती ने श्री अन्न : पोषण मूल्य और स्वास्थ्य लाभ पर व्याख्यान दिया। व्याख्यान के दौरान उन्होंने विभिन्न प्रकार के श्री अन्न की पोषण संरचना, स्वास्थ्य लाभ प्रदान करने में प्रत्येक घटक की भूमिका और श्री अन्न के नियमित सेवन से जीवन शैली संबंधी बीमारियों को रोकने में सहायता, और पारंपरिक तथा समकालीन श्री अन्न आधारित खाद्य पदार्थों की जानकारी प्रदान की।

डॉ स्वर्णा रोणंकी को नेहरू युवा केंद्र, रंगा रेड्डी ज़िला, तेलंगाना, युवा मामले और खेल मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा 13 मार्च, 2023 को आयोजित जिला स्तरीय नाइबरहूड युथ पार्लियामेंट कार्यक्रम के लिए मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था। यह कार्यक्रम हैदराबाद इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट, मेडचल, तेलंगाना में आयोजित किया गया था और विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों और युवा क्लबों से 100 से अधिक युवाओं ने भाग लिया। डॉ. रोणंकी ने भारत के युवाओं हेतु "श्री अन्न - सिंहावलोकन और व्यवसाय के अवसर" पर विशेष चर्चा की।

समझौता ज्ञापन

सं.प्रौ.प्र.ए., भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं के माध्यम से मार्च, 2023 के दौरान भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं में निम्नलिखित करार ज्ञापन/समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। भाश्रीअनुसं की ओर से भाश्रीअनुसं के निदेशक डॉ. सी तारा स्त्यवती ने समझौतों पर हस्ताक्षर किए। करार ज्ञापन/समझौते के विवरण निम्नानुसार है :

करार तिथि	दूसरा दल/ लाइसेंसधारी	समझौते/करार ज्ञापन का प्रयोजन	हस्ताक्षरकर्ता प्राधिकरण	साक्ष्य
			दूसरा दल	
02 मार्च, 2023	वाईएसआर हॉर्टिकल्चर यूनिवर्सिटी, वेंकटरमण्णागुडेम, ताडेपल्लीगुडेम, आंध्र प्रदेश	छात्र अनुसंधान कार्यक्रम	डॉ. बी श्रीनिवास, कुलसचिव	डॉ. के धनंजय राव, निदेशक, उद्योग एवं अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम

आभासी बैठकों / प्रशिक्षणों / कार्यशालाओं / संगोष्ठियों में सहभागिता

क्र.सं	अधिकारी का नाम	सहभागिता	प्रकार	कार्यक्रम स्थल	तिथियां
1	अमसिद्ध बेलुंडगी	आईसीएआर के मानव संसाधन विकास नोडल अधिकारियों के द्वारा प्रशिक्षण कार्यों के प्रभावी कार्यान्वयन हेतु "दक्षता वृद्धि कार्यक्रम" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम।	प्र	आईसीएआर-नार्म, हैदराबाद।	27 फरवरी - 1 मार्च, 2023
2	सी तारा सत्यवती, बी दयाकर राव, पी संजना रेड्डी ए श्रीनिवास तथा महेश कुमार	राजस्थान राज्य कृषि विपणन बोर्ड और पोषण केंद्र, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद के द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित राजस्थान मिलेट कॉन्क्लेव 2023	स	एसआईएएम, जयपुर	13-14 मार्च, 2023
3	के बी आर एस विशारदा, सी अरुणा, एम एलंगोवन, आई के दास, हरिप्रसन्ना के, अमसिद्ध बी, अविनाश सिंगोडे, वेंकटेश के	ज्वार जननद्रव्य प्रक्षेत्र दिवस	प्रदि	कृअनुकें, वाशिम, महाराष्ट्र	13-14 मार्च, 2023
4	सी तारा सत्यवती, सी वी रत्नावती, के बी आ रएस विसारदा, बी दयाकर राव, सी अरुणा, बी वेंकटेश भट, आर आर चापके, बी गंगय्या, ए वी उमाकांत, नेपोलियन टी, हरिप्रसन्ना के, डी बालकृष्ण, पी राजेंद्र कुमार, के एन गणपति, बी अमसिद्ध तथा वी रवि कुमार	वैश्विक श्री अन्न सम्मेलन, नई दिल्ली	स	नास कॉम्प्लेक्स, भाकृअनुसं परिसर, पूसा नई दिल्ली	18-19 मार्च, 2023

इस माह का विचार

यदि तुम अपने आपको योग्य बना लो, तो सहायता स्वयमेव तुम्हे आ मिलेगी। —स्वामी रामतीर्थ

INTERNATIONAL YEAR OF MILLETS 2023

IIMR भारतीय कदन्न अनुसंधान संस्थान ICAR-Indian Institute of Millets Research

nutri hub Innovation | Technology | Business

NIELAN-TBI

Society for Millets Research कृषि मूलम् इदम् धान्यम्

संकलन एवं संपादन

डॉ. महेश कुमार, डॉ. के वी राघवेन्द्र राव, डॉ. जिनू जेकब तथा डॉ. वी वेंकटेश भट

फोटो, अभिकल्पना तथा रूपरेखा

एच एस गावली

प्रकाशक एवं मुख्य संपादक

निदेशक, भाकृअनुप – भारतीय कदन्न अनुसंधान संस्थान

भाकृअनुप – भारतीय कदन्न अनुसंधान संस्थान

मुख्यालय - राजेन्द्रनगर, हैदराबाद-500053
दूरभाष : 040-24599300
फैक्स : 040-24599304
ई-मेल : millets.icar@nic.in
वेबसाइट : www.millets.res.in

रबी ज्वार केंद्र (भाकअनुसं)
राष्ट्रीय राजमार्ग-65, बायपास, शेल्गी, सोलापुर-413006 (महाराष्ट्र)
दूरभाष : 0217-2373456
फैक्स : 0217-2373456
ई-मेल : solapur@millets.res.in
वेबसाइट : www.millets.res.in

ज्वार गैर-मौसमी पौधशाला, वरंगल
प्रभारी अधिकारी,
भारतीय कदन्नअनुसंधान संस्थान, आरएआरएस (पीजेटीएसएयू) मुलुगू रोड़. वरंगल